अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है रेडियो - शेखावत

आबू रोड। रेडियो मधुबन के नवनिर्मित अत्याधुनिक स्टूडियो का उद्घाटन करते हुए राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह शेखावत, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु.करूणा तथा अन्य।

आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज़ के सामुदायिक रेडियों स्टेशन से जिन कार्यक्रमों का प्रसारण हो रहा है। वह बहुत ही जीवनोपयोगी है एवं मूल्यनिष्ठ है। जिससे व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार और दूसरों को समझने में मदद मिलती है। जिससे आपसी सम्बन्धों में समरसता का संचार होता है। उक्त उद्गार राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह शेखावत ने ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन परिसर में स्थित रेडिया मधुबन के नवनिर्मित अत्याधुनिक स्टूडियों का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज भी रेडिया सूचना संचार एवं शिक्षा का सबसे सशक्त माध्यम है। जिसकी कमी यहां के आस-पास के जिलों में काफी समय से महसूस की जा रही थी। इसी कमी को पूरा करने के उद्देश्य से इस सामुदायिक रेडियो स्टेशन की स्थापना की गई है। इसके द्वारा प्रसारित होने वाले कार्यक्रम बहुत ही शिक्षाप्रद एवं उत्साहवर्धक होते हैं। जो लोगों के मानसिक विकास तो करते ही है साथ ही साथ शारीरिक स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी भी देता है। और जिस तरह का यहां का परिवेश है, उससे प्रतीत होता है कि यहां दी जा रही शिक्षा को जीवन में उतारने से सकारात्मक बदलाव आयेगा। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि यह रेडियो स्टेशन अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में अवश्य ही सफल होगा।

कार्यक्रम के पश्चात् विधानसभा अध्यक्ष ने चालीस फीट उंचे रेडियो टावर का रिमोट बटन दबाकर उद्घाटन किया। संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि रेडियो मधुबन अपने प्रसारण द्वारा लोगों के जीवन को श्रेष्ठ बनाने का कार्य कर रहा है। आज के समाज में जितनी तेजी से विकास हो रहा है, उसमें कम्यूनिटी रेडियो का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है। संस्था के मीडिया प्रभारी एवं रेडियो मधुबन के कार्यकारी अधिकारी ब्र.कु.करूणा ने कहा कि हमारा लम्बे समय से यह प्रयास था कि सिरोही जिले के लोगों के लिए एक ऐसा प्रयास हो, जिससे लोगों को मनोरंजन के साथ-साथ बेहतर जीवन बनाने की भी प्रेरणा मिले एवं खासकर अशिक्षित लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। और यह कार्य रेडियो मधुबन के माध्यम से किया जा रहा है।रेडियो मधुबन के को-ऑर्डिनेटर ब्र.कु.यशवंत ने कहा कि रेडियो मधुबन अपनी स्थापना के समय से ही अलग पहचान बनाने में सफल रहा है। इसे इंटरनेट के माध्यम से दुनिया भर में कहीं भी सुना जा सकता है। इसके द्वारा प्रसारित होने वाले कार्यक्रम बहुत ही शिक्षाप्रद एवं उत्साहवर्धक होते हैं। जो लोगों के मानसिक विकास तो करते ही है साथ ही साथ शारीरिक स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी भी देता है। इस अवसर पर उन्होंने रेडियो मधुबन के द्वारा प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर ब्र.कु.मृत्युंजय ने भी अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। ज्ञातव्य हो कि रेडियो मधुबन आबू रोड एवं आस-पास के क्षेत्रों में प्रसारित होने वाला एकमात्र सामुदायिक रेडियो स्टेशन है जो मनोरंजन को शिक्षा से जोड़कर समाज में जागरूकता लाने का प्रयास कर रहा है।

जलगांव। राष्ट्रपति महामहिम् प्रतिभा सिंह पाटील को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.तेजल एवं ब्र.कु.हेमा।

गोवा। राज्यपाल भरतवीर वांछो सेन से आध्यात्मिक चर्चा करते हुए ब्र.कु.शोभा एवं ब्र.कु.सुरेखा।

विदडा-कच्छ। मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.जागृति एवं ब्र.कु.लीला।

लव और लॉ से बनता है अपराध मुक्त समाज - आशा

गुड़गांव। ज्युरिस्टों के लिए 'एजुकेशनल सेमिनार कम मेडिटेशन रिट्रीट का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु.आशा, ब्र.कु.लता, ब्र.कु.पुष्पा, ब्र.कु.शांति, ब्र.कु.महेश्वरी, तथा अन्य।

गुड़गांव। जज और वकीलों का कार्य है न्याय दिलाना लेकिन उससे पहले हमारा पहला कर्त्तव्य है अपराध मुक्त समाज का निर्माण करना। जब हम लव और लॉ का बैलेंस रखेंगे तब हम अपराध मुक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं।

उक्त उद्गार भोरांकला स्थित ओ.आर.सी. की संचालिका ब्र.कु.आशा ने देश भर से आये हुए ज्युरिस्टों के लिए 'एजुकेशनल सेमिनार कम मेडिटेशन रिट्रीट फॉर रॉल ऑफ ज्युरिस्ट टू इस्टैबलिश बेटर वर्ल्ड' विषय पर आयोजित सेमिनार को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सृष्टि पर एक समय ऐसा भी था जब पूरे विश्व में न थाने थे और न ही कोर्ट कचहरी और न ही अस्पताल था। फिर भी लोग सुखी थे। उस समय लोगों के पास चरित्र की पूंजी थी जिसके कारण लोग चरित्रवान थे। और उस युग को स्वर्णिम युग के नाम से जाना जाता था। अब पुन: वही दुनिया फिर से आने वाली है। गीता में दिये हुए वचन के अनुसार परमात्मा पुन: इस सृष्टि पर अवतरित होकर मनुष्य मात्र को सहज राजयोग का ज्ञान देकर दिव्य गुणों से सम्पन्न बना रहे हैं।

ज्यूरिस्ट विंग की क्षेत्रिय संयोजिका ब्र.कु.पुष्पा ने कहा कि मनुष्य कानून बनाता है वर्तमान को देखकर परन्तु भगवान कानून बनाता है तीनों कालों को देखकर। हमारे जीवन में सुख और दु:ख का आधार हमारे अपने कर्म हैं। कर्म का फल अटल है चाहे आप किसी को सजा दे या न दे कर्म का फल तो उसे भोगना ही पड़ता है।

इस अवसर पर ज्युरिस्ट विंग के राष्ट्रीय संयोजक बी.एल.माहेश्वरी ने भी सम्बोधित किया। मंच का कुशल संचालन माउण्ट आबू की ब्र.कु.लता ने किया। इस सेमिनार में विभिन्न राज्यों से 27 न्यायाधीश, 250 से भी अधिक वकील, सी.ए. एवं कानूनी सलाहकारों ने भाग लिया।

मुम्बई, बोरीवली। सेंट फ्रांसीस इन्स्टीट्युट ऑफ मेनेजमेंट एण्ड रिसर्च में तनाव मुक्त जीवन कार्यक्रम को सम्बोधित करने के पश्चात् समूह चित्र में हैं चेयरमेन चंद्रमौली मोरे, डायरेक्टर ए.सी.अगस्तान, ब्र.कु.श्रेया तथा अन्य।

छोटा उदयपुर। कच्छ कडवा पाटीदार,छोटा उदयपुर के अध्यक्ष प्रेम जी भाई को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.मोनिका।

चित्तौड़गढ़। पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में राजयोग का ज्ञान देने के पश्चात् समूह चित्र में हैं पुलिस हेड भवानी सिंह, ब्र.कु.आशा, भगवती, राजन।

फरीदाबाद। आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन करने के पश्चात् ए.आई.जी.वेद प्रकाश गोधरा, ब्र.कु.हरीश, ब्र.कु.मधु।